

शारदामोहात्म्यम्

(शारदालिपि)

M. Marwaha Inst - 20

(36)

क. २
उपनि.
कुमल उ.

२०
M. K. Narayan

२५९१
२१२१/२५२

२१२१/२५२

२१२१/२५२

२१२१/२५२

18 50

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान दिल्ली
श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विभागीय
लीनगर केन्द्र ४४

ॐ
क
उनीभिः
सुभलउ

CC-0 Sharada Manuscripts at Rashtriya Sanskrit Sansthan Lucknow, Digitized by eGangotri

किंमिच्छन्ते मयि वं भूयः कुते मदेसुः कलनानुदण्डतु उदः
सुमन्त्रभुजमना भुनिः भविमये कुर्यः प्रकृतचानभुजमना
भभगपितरुतु सानि लेवन उतुमे उतुदिप्रपितमुद नगमे
भुनिभुजमः सुगहनगमः प्रदु सानि तं भुनिभुजमना एयध
कुर्ये विप्रयुयनमजनमभुमि सुभनं सुभनं इति मतिं
सक्तिवतेनभभा कुरुते मे कुरुते नमभयगतिउतु
एदुदुतुदण्डतु नगमे भुनिभुजमः सुदु मेवधिवमने प्रदु
एभदेसुः भभाः सउतुनपः सुभनं कुरुव भुनिः नदु
मुदुमविपिन सुभनं इति भदेसुः मेवमउतुभदुठनं
वगं व भनीसुः सुदुतुतुमः भोमं सगमयामनीसुः
प्रवमवमनं गं वगममे भदेसुः भभाः कुरुकलं पपं विलय
यउतुदुदुतु एति सुदुवमभुम सानि लुभुमदुतुनः

प्रैवमसुभलमैरी उइमवमवधुमि उगेगसुभदगय सुभलनमनमभः
 उइइकुभिउंमैरी सगमैरिविण विकभा उतः पूधुमिभुंउपं वदुमेवनमंसयः
 उइकुसमिहनुमिं भमैहनुचिभगता मइरवमेभदुमैहः सुभलसामनीभुः
 पुउकुसुभलनमविथयंमवकभिकभा उइगइभुनिहनुगउंमैपंमभादिभुता
 भिवहइभदमैरी ममजगभुिउंमजीभा मुइउइभदसुनीभयावमिमभुविभा
 उउकुभुनिमुधुसगमयवनमदता उइधुविधुमुउवउमेनमुउिउकु वता उम
 नमेवभुमेव भुउतिं पूधुमैपूवभा उइकुउउमैरी दयमीधुमैभुनिः जयदमभ
 गतेवनमभभमु लपुगंमममयता मधुभा धुमविधिवसुभगदुभद
 भनिः भवल्लच भुकुगइ पांउइविमिभु ये भुवल्लच भु भुमीसु कुये
 कुयेभदुसुवि यइवेममिहनुमनिः भुवल्लच भु गंकिउः भमैमः पूवउ
 इपि भुवल्लच भुकाएया भुवल्लच भु मैमैभानमननपावनः
 उइभुभुतिभनले वमपागयलं पिये उमभुच भुयउन भुवल्लच भु
 ककले भुउइमविमयेलं वदुदइहयेदति भदपउकपुजेव युजेव
 दूपपउकः

५३

म
ह
म
३

डिप्टुन

उत्ते एते भद्र के इ भद्र उ पि म द एत उत्ते एते भद्र के इ मि व उ व उ रि क ग मा पि र थ प
दं मि वं न कु उं न वि पु रि उ ति रि रि म भ न ह स ग ह लः प्र भि उ म निः स पं व द्म पं मि वं
वि प्र द उ र भि सु ग मा प्र म यि इ म र मि वि प्र नं न य कं प द्म उ म ह य ए ग भ य
व नं प ह भ उ कि उः रु प्र मि वं न प हं स ग म य म ह सु रि उ ह म उ पि पि र मि व व
भ द्म क मा मि व व द्म भ द्म उ मी मे ल मि प र दि ये स स ल नि द्म ल भु व ग उ म नि न
उ भि क य म न उ म सु भ म सु उ म व ग व नि न उ म उ उ ग र वि दिः स ग म न भ
न भ उः स ग क उ म द्म वि रु प्र वे भ नि न य उ उ उः प्र क प र वि दिः स ग म ति
भ द्म सु रि स ग म ली य उ म री प्र दि ग म च ए नु रिः उ उः प्र क प र वि दिः स ग म
ग म न भ उः स व ल ति य उ म री प्र क डि वि र वि र द्म स ग म न र म नै व व ग वी ति
म भ द्म उ न ग म प्र म म न य रु प्र न र म म भ म ग म उ ति म प्र क व द्म क द्म
उ य स नि द्म ल य म भ नि न रु प्र डि वि र वि र द्म मी मे ल मि प र प ह मी स ग म उ
म भ म उ रु प्र म री उ म निः प्र न भ मि गं कु वि म ह व उ उ उ क उ रि ग भ उ क
ये क य उ स ग ह लः उ री मि म न न म यी म म वि म उ रि क वि म प रं ए य नु मा
उ मे प रं उ म मः प र मी उं स ग म य म न भ प्र प ह प पः स व ल ति उ य म उ मि उ
भि म उ व उः उ म उ म ग म न भ प्र व म उ म न पि लः मि मि म मि भ द्म म उ
प र म न य म यि नी मा स ग म उ व म री मी उ भ व ग उ व न द्म

म
म
३

CC-0 Sharada Manuscripts at Rashtriya Sanskrit Sansthan Lucknow, Digitized by eGangotri

[Faint, illegible handwritten text in Sharada script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

